धूमकेतु पैनस्टार्स आसमान में है

इस वर्ष वैसे तो आइसॉन नामक धूमकेतु के आकाश में चमकने को लेकर रोमांच व्याप्त है मगर उससे पहले एक अन्य धूमकेतु आकाश में दिखने भी लगा है। इस धूमकेतु का खगोल शास्त्रीय नाम तो सी/2011एल14 है मगर इसे पैनस्टार्स नाम दिया गया है। यह लगभग पूरे मार्च महीने में दिखता रहेगा और फिर बहुत दूर निकल जाएगा। बताते हैं कि इसके बाद अगले 1 लाख 10 हज़ार साल बाद ही यह हमारे नज़दीक आकर दर्शन देगा।

इसे सबसे पहले 2011 जून में देखा गया था मगर दूरबीन की मदद से। इस वर्ष फरवरी से यह दक्षिणी गोलार्ध में बगैर दूरबीन के भी दिखने लगा। मार्च में यह उत्तरी गोलार्ध में भी नज़र आने लगा है। दिक्कत यह है कि पैनस्टार्स सूर्यास्त के कुछ ही समय बाद तक पश्चिमी आकाश में नज़र आता है और फिर डूब जाता है। इसका मतलब है कि इसकी चमक शाम के धुंधलके में फीकी पड़ जाती है। अलबत्ता, मार्च के तीसरे सप्ताह में यह सूर्यास्त के करीब 1 घंटे बाद तक दिखेगा और तब इसे खुली आंखों से देखा जा सकेगा। वैसे उस समय दिक्कत यह होगी कि आसमान में चांद चमकेगा जो अपनी रोशनी से इसे थोड़ा क्षीण कर देगा।

पैनस्टार्स को देखने के लिए ज़रूरी होगा कि आप शहर की रोशनियों से दूर किसी अंधेरी जगह पर जाएं और सूर्यास्त के बाद पश्चिमी आकाश में इसे देखने की कोशिश करें। बताते हैं कि इसकी एक अच्छी सी पूंछ विकसित हो चुकी है जो देखने में मददगार होगी।

यह धूमकेतु सौर मंडल के जिस क्षेत्र से आया है उसे ऊर्ट क्लाउड कहते हैं। ऊर्ट क्लाउड हमारे सौर मंडल का लगभग बाहरी किनारा है। तो इतनी दूर से आए इस मेहमान का स्वागत कीजिए। ***(स्रोत फीचर्स)***